INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF COMMERCE, ARTS AND SCIENCE



ISSN 2319 - 9202

An Internationally Indexed Peer Reviewed & Refereed Journal

WWW.CASIRJ.COM www.isarasolutions.com

Published by iSaRa Solutions

भारत :पाक सम्बन्ध-1947 से अब तक का सफ़र

सोनम सिंह

शोध छात्र . रक्षा एवं स्त्रातेजिक अध्ययन विभाग इलहाबाद विश्वविदयालय इलाहाबाद ,

प्रस्तावना

विभाजन के बाद से ही भारत और पाकिस्तान के मध्य लगातार तनावपूर्ण सम्बन्ध रहे है सन् | 1947 से लेकर 18 मार्च 2018 के पंछ हमले तक यह तनावपूर्ण स्थिति दिखती है प्रस्त्त | चढाव को विस्तारपूर्वक दर्शाया -आलेख में भारत पाकिस्तान के मध्य संबंधो में परस्पर उतार किस तरह भारत लगातार संबंधों को मध्र बनाने का प्रयास कर रहा और पाकिस्तान ,गया है अपनी छद्म हरकतों से उसे विफल करता जा रहा है इस प्रकार के तनावपूर्ण आपसी सम्बन्ध न सिर्फ भारत वरन स्वयम पाकिस्तान के भी विकास और संवृद्धि की राह में प्रमुख |प्रस्तुत आलेख इस गंभीर विषय की प्रासंगिकता को उठता है |बाधक

प्रस्त्त आलेख में मैंने भारत पिकस्तान के मध्य विद्यमान मुख्य समस्यायों का वर्णन किया है यथा कि किस तरह ,कश्मीर समस्या पर विस्तृत विवरण किया गया है -1947 से लेकर आज तक कश्मीर दोनों राष्ट्रों के मध्य मुख्य समस्या बनी हुई है भारत लगातार | पाक प्रायोजित आतंकी हमलो का शिकार होता रहा हैआज भारत के लिए यह एक महत्वपूर्ण समस्या बन गया है इस आलेख में आंतकवाद की इस समस्या पर भी प्रकाश डाला गया है | दोनों राष्ट्रों के मध्य व्याप्त समस्यायों को स्लझाने के लिए अनेक अंतरराष्ट्रीय और राजकीय | समझौतों का भी वर्णन इस आलेख में / इस क्रम में संपन्न ह्यी संधियों ,स्तर के प्रयास ह्ए है किया है जिससे यह स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है कि किस तरह दोनों राष्ट्र सम्बन्ध स्धारने के लिए आपस में समझौते कर रहे है भारत और पिकस्तान के मध्य युध्यबंदियों के | प्रस्तृत आलेख में पाकिस्तान में भारतीय | अतिरिक्त अवैध गिरफ्तारियां भी प्रमुख समस्या है नागरिको की अवैध रूप से की जाने वाली गिरफ्तारियों के विषय पर भी प्रकाश डाला है | संकेत शब्द- तनावपूर्ण शरणार्थी ,समझौता/संधि ,विवाद ,विभाजन ,

परिचय

भारत दक्षिण एशिया में स्थित एक लोकतान्त्रिक राष्ट्र है । इसकी राजधानी नई दिल्ली है , भारत का क्षेत्रफल32,87,263 वर्ग किलोमीटर है तथा जनसँख्या ,1.2 अरब के लगभग है | पाकिस्तानतथा इसकी राजधानी ,भारत के पश्चिम में स्थित एक इस्लामी गणराज्य है , इस्लामाबाद और जनसँख्या लगभग20 करोंड़ है | जनसँख्या की दृष्टि से जहाँ भारत का विश्व में दूसरा स्थान है, वही पाकिस्तान का विश्व में छठां स्थान रखता है | भारत एवं पाकिस्तान को रेडक्लिप रेखा अलग करती है जो सर सी जे रेडक्लिप दवारा ,15 अगस्त 1947 को निर्धारित की गयी थी यह सीमा अपने निर्माण काल से ही,दोनों राष्ट्रों के मध्य विवाद का प्रम्ख कारण है | भारत और पाकिस्तान के बीच सम्बन्ध विभाजन के समय से ही तनावपूर्ण रहे है | विभाजन से लेकर आज तक दोनों देशों के बीच एतिहासिक और राजनैतिक मृद्दों को लेकर तनाव बना हुआ है | यदि राजनितिक दृष्टि से देखा जाय तो भारतपाकिस्तान दो बिल्क्ल -अलग राष्ट्र है-अलग किन्त् भौगोलिकएतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से दोनों राष्ट्रों की साझी विरासत है। दोनों राष्ट्रों का अपना अलगअलग अस्तित्व होने के बाद भी दोनों देश न तो -सहज मित्र बन पाये और न ही प्रबल शत्र्। भारत सदैव पाकिस्तान के साथ मित्रता एवं सहयोगपूर्ण सम्बन्ध स्थापित करने का प्रयास करता रहा हैकिन्तू पाकिस्तान द्वारा हमेशा , नकारात्मक प्रत्युतर ही दिया गया | पाकिस्तानभारत से विभाजित एक राष्ट्र है दोनों का लेकिन दोनों के बीच परस्पर सहयोग एवं सद्भ ,इतिहास लगभग एक सामान है । वना का अभाव मिलता है | इनके बीच तनाव कश्मीर को लेकर शुरू ह्आ जो निरंतर बना है तथा इसके पश्चात् एक के बाद एक मुद्दे दोनों देशों के संबंधो को सहज नहीं होने दे रहे। विभाजन के पश्चात् भारत और पाकिस्तान के मध्य परस्पर चार युद्ध ह्ए जिसमे लगातार पाकिस्तान को पराजय का मृह देखना पड़ा||

पृष्ठभूमि -

15 अगस्त 1947 को जब भारत सैकड़ो वर्षों के संघर्षों के पश्चात् अंग्रेजों की गुलामी से स्वतंत्र हुआमुहम्मद (शायर) किव | भारत का बंटवारा -तब उसके सामने एक नई समस्या खड़ी थी , इकबाल ने सर्वप्रथम सन1930 में द्विराष्ट्र सिद्धांत का जिक्र किया। मुहम्मद इकबाल चाहते थे कि भारत के उत्तरको (सरहद-ए-सूबा)पंजाब तथा अफगान ,ब्लूचिस्तान ,पश्चिम में सिंध-

मिलाकर एक नया राष्ट्र बने | सन 1933 में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के छात्र चौधरी रहमत अली ने इन क्षेत्रों के लोगों के लिए पाक्स्तान शब्द का प्रयोग किया इकबाल और मौलाना | मुहम्मद अली जौहर ने मुहम्मद अली जिन्ना को इस नये राष्ट्र की मांग का समर्थन करने को | कहा 1940 के मुस्लिम लीग सम्मलेन में जिन्ना ने दो अलग| अलग राष्ट्रों की मांग कीमहात्मा गाँधी विभाजन के विरुद्ध थे उनका कहना था कि हिन्दू और ,मुसलमान साथ रह सकते है उन्हें साथ रहना चाहिए मुस्लिम लीग ने अगस्त |1946 में सीधी कार्यवाही दिवस मनाया जून प्लान या माउन्टबेटन योजना का नाम दिया 3 भारत विभाजन की योजना को | |गया18 जुलाई 1947 को ब्रिटिश संसद ने भारतीय स्वन्त्रता अधिनियम पारित हुआ जिसमे , विभाजन की अंतिम रुपरेखा तय हुयी | अतः 15 अगस्त में पाकिस्तान को एक अलग 1947 भारत से पाकिस्तान को अलग कर भारत को कभी न भरने वाला |राष्ट्र घोषित कर दिया गया |जख्म मिला

पाकिस्तान के अलग होते ही दोनों देशों के रिश्तों के मध्य आई दरार की सबसे पहली और मुख्य वजह थी रियासतों के विलय की |1947 में जब भारत स्वतंत्र हुआ तब भारत 565 रियासतों में बंटा हुआ था भारत के आजादी को लेकर माउंटबेटन ने यह प्रस्ताव रखा कि ये | ये रियासते यदि | रजवाड़े अपनी इच्छानुसार भारत या पाकिस्तान के साथ विलय कर सकते है चाहे तो दोनों के साथ नजाकर स्वतन्त्र भी रह सकती थी इन रियासतों का भारत में सरदार | इन्होंने चतुराई से भारत के हिस्से | बल्लभ भाई पटेल की रणनीतियों की वजह से संभव हुआ कुछ रजवाड़े ऐसे थे जो | में आये रजवाड़ों से भारत में विलय पत्र पर हस्ताक्षर करवा लिया भारत में शामिल होने को तैयार नहीं थे , हैदराबाद - जिनमे | स्वतन्त्र रहना चाहते थे वे , | कश्मीर आदि थे , गोवा , दादरा नगर हवेली , जूनागढ़

भारत के उत्तर में स्थित सुन्दर प्रदेश कश्मीर रियासत जिसकी बहुसंख्यक जनता , तथा वहां का शासक हिन्दू था ,मुस्लिम थी | कश्मीर की भूराजनीतिक स्थ-ित समरिक महत्व की थींबंटवारे के बाद से पाकिस्तान | इसलिए पाकिस्तान उस पर अधिकार पाना चाहता है , जो दोनों देशों के मध्य विवाद का मुख्य ,लगातार कश्मीर को हथियाने की कोशिश में लगा है कश्मीर को लेकर पाकिस्तान भारत से नफरत की भावना रखता है और हमेशा यह | विषय है दिखाने की कोशिश करता रहता हैकि वह एक दिन कश्मीर को भारत से छीन लेगा ,| कश्मीर

को हासिल करने की पाकिस्तान ने लगातार कोशिश की हैलेकिन हर बार उसे निराशा ही हाथ , लगी है | पाकिस्तान धर्म के नाम पर कश्मीर पर दावा करता है | कश्मीर समस्या को लेकर भारतपाकिस्तान- तीन बार एक दूसरे के आमनेसामने युद्ध में दम भरते नजर आये-| आजादी के कुछ दिन पश्चात् ही पाकिस्तान ने मुस्लिम चरमपंथियों को कश्मीर पर हमले के लिए भेजा | इस हमले से परेशान होकर कश्मीर के महाराजा हिरिसिंह भारत से सहायता मांगी | भारत ने शर्त रखी की भारत तभी कश्मीर की मदद के लिए आगे आएगा जब कश्मीर भारत के साथ विलय को तैयार हो ,1947 में भारत कश्मीर के बचाव में आगे आया और शर्त के आधार पर कश्मीर को भारत में शामिल होना पड़ा |1 जनवरी 1949 को संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा सीजफायर लाइन तय दिए जाने के बाद युद्ध समाप्त हो गया | एस युद्ध के पश्चात् पाकिस्तान लगातार भारत से छलकपट करता रहा है-|

दोनों देशों के मध्य व्याप्त अन्य समस्यायों में शरणार्थियों की समस्या तब उत्पन्न हुयी जब भारतपाकिस्तान का बंटवारा हुआ-। बंटवारे के पश्चात् भारत के मुस्लिम पाकिस्तान जाने लगे और पाकिस्तान के हिन्दू निवासी भारत आने लगे। पाकिस्तान से बहुत अधिक संख्या में हिन्दू भारत आने लगे जिससे मूलभूत समस्याये बढने लगी भारत को आजाद हुए अभी कुछ । इतनी ,ऊपर से बंटवारे की समस्या,ही दिन हुए थेबड़ी जनसँख्या के भरणपोषण के लिए उसके - पास पर्याप्त साधन नहीं था। जिसके परिणामस्वरूप जगह जगह दंगे होने लगे हालाँकि समय । कि साथ दोनों देशों के मध्य शरणार्थी समस्या लगभग समाप्त हो चुकी है

1947 से 1970 तक पाकिस्तान दो भागों में बंटा थावर्तम) पूर्वी पाकिस्तान -ान बांग्लादेश (वर्तमान पाकिस्तान) और पश्चिमी पाकिस्तान | 1970 में पाकिस्तान में चुनाव हुएइस चुनाव | पाकिस्तान | में पूर्वी पाकिस्तान में शेख मुजीबुर रहमान की आवामी लीग ने ज्यादा सीटे जीती वे नह ,पीपुल्स पार्टी के जुल्फिकार अली भुट्टों ने इस बात का विरोध कियाी चाहते थे की आवामी लीग की सरकार बनेख़राब हो गयी कि सेना की मदद देखते स्थित इतनी -देखते | पूर्वी पाकिस्तान के लोगों पर पश्चिमी पाकिस्तान की सेना ने काफी अत्याचार किया | लेनी पड़ी पूर्वी पाकिस्तान से शरणार्थी भारत आने लगे पड़ोसी |जिससे वे पलायन को मजबूर हो गएहोने के नाते भारत में उन्हें शरणार्थी सुविधाये उपलब्ध कराईपाकिस्तान ने भारत को कई बार | जिसके |धमकी दी कि वे शरणार्थियों की मदद न करे नहीं तो वह भारत पर हमला कर देगा

फलस्वरूप दोनों राष्ट्रों के मध्य 1971 में युद्ध हुआ दिसंबर |1971 के भारतपाकिस्तान युद्ध - के पश्चात् पूर्वी पाकिस्तान अलग स्वतंत्रत राष्ट्र बांग्लादेश बना

भारत पाकिस्तान को अलग हुए-70 साल हो गयेपरन्तु , उनके बीच समस्याए निरंतर बनी हुयी है |1947 ,1965 ,1971 के युद्धों के पश्चात् 1999 ईस्वी में दोनों देशो के मध्य कारगिल युद्ध हुआ इन | परमाणु शक्ति सम्पन्न होने के बाद यह दोनों देशो के मध्य पहला युद्ध था | युद्धों के पश्चात् भारत सरकार ने सुलह की लगातार कोशिशे की किन्तु विफल रहे-

- कश्मीर मसले पर 1947 में पाकिस्तान के मुहम्मद अली जिन्ना तथा भारत के गवर्नर जनरल लुईस माउन्टबेटन के बीच वार्ता ह्यी |
- 1965 के युद्ध के पश्चात् 11 जनवरी 1966 को भारत पाकिस्तान के मध्य ताशकंद समझौता हुआ जिसकी मध्यस्थता सोवियत संघ ने की थीइस समझौते के फल स्वरुप | इसमें यह |पूर्व यथास्थिति पर लौटने की रुपरेखा तय की गई दोनों ही राष्ट्र को युद्ध अपने बीच व्याप्त ,तय किया गया की दोनों देश अपनी शक्ति का प्रयोग नहीं करेगे यह समझौता भारत के प्रधानमंत्री ला | झगड़ों को शांतिपूर्ण तरीके से हल करेगेल बहादुर शास्त्री तथा पाकिस्तान के प्रधानमंत्री अयूब खां की लम्बी बातचीत के बाद हुआ |
- 1971 के युद्ध के पश्चात् दोनों देशों के मध्य शिमला में समझौता हुआभारत की | तरफ से इंदिरा गाँधी तथा पाकिस्तान की तरफ से जुल्फिकार अली भुट्टो थे1971 में हुए युद्ध में पाकिस्तान के लेफ्टिनेंट जनरल नियाजी ने अपने 93000 से अधिक सैनिकों के साथ भारत की सेना के आगे आत्मसमर्पण किया था जुल्फिकार अली भुट्टो | 1 |को अपनी पुत्री बेनजीर भुट्टों के साथ शिमला आये 1972 जून 28जुलाई तक दोनों राष्ट्रों के मध्य कई दौर की वार्ता हुयीपरन्तु क ,ोई सफलता नहीं मिली 2 |जुलाई को दोनों को दोनों राष्ट्रों के मध्य समझौता हुआइस समझौते पर इंदिरा गाँधी तथा बेनजीर | इस समझौते के तहत भारत को पाकिस्तान के |भुट्टों ने हस्ताक्षर किया 93000 से अधिक युध्बंदी छोड़ने पड़े और युद्ध में जीती गयी 5600 वर्ग मील जमीन पाकिस्तान

- को वापस पाकिस्तान को वापस देनी पड़ीभारत को इस समझौते से कोई लाभ होते नहीं | पाकिस्तान में भारत के ,दिखा54 युद्धबंदी थे उनको भी भारत वापस न ला सका |
- 1988 में दोनों राष्ट्रों के मध्य एक और समझौता हुआ की दोनों राष्ट्र एक दुसरे पर परमाणु हमला नै करेगेइस | के साथ इस समझौते में यह भी तय हुआ की दोनों राष्ट्र एक दुसरे के परमाणु ठिकानों की सूची भी साझा करेंगेदोनों देश एक दुसरे के परमाणु , | ठिकानों पर हमला नहीं करेगे1992 से हर साल दोनों देश सूची सौप रहे है |

भारत -जैसे, पाकिस्तान के मध्य शांति स्थापित करने को लेकर कई और समझौते हुए -)कराची समझौता1947 ,(लियाकत समझौता)1950 ,(सिन्धु)जल समझौता-1960 ,(दिल्ली समझौता)1973|(

दोनों देशों के मध्य सियाचीन ग्लेशियर भी विवाद का विषय है समुद्र तल से |6300 मीटर की उंचाई पर 76.4 किलोमीटर लम्बा सियाचीन ग्लेशियर विश्व का सबसे ऊँचा युद्ध क्षेत्र है | 1984 में पाकिस्तान ने उस क्षेत्र में पाना पर्वतारोहण दल भेजकर अधिकार करने की कोशिश कीइस मुद्दे को लेकर दोनों देशों के बीच |भारत ने उस दिशा में आँपरेशन मेघदूत चलाया | अब तक वार्ता के 9 असफल दौर हो चुके है|

पाकिस्तान ने कच्छ के रण के आधे भाग पर अपना दावा प्रस्तुत कर सरक्रीक का विवादित स्वरूप स्पष्ट किया कच्छ के रण में |96 किलोमीटर लाम्बा मुहाना है जो भारत के गुजरात को पाकिस्तान से अलग करता है| एक तरह से देखा जाये तो सरक्रीक दोनों देशों के बीच अस्थिर सीमा रेखा हैइस कारण सीमा उल्लंघन की समस्या दोनों देशों के मछुहारों के लिए मुसीबत | |है बनी2005 में दोनों देशों के बीच बातचीत हुयी थीजिससे दोनों पक्ष सरक्रीक क्षेत्र में , |लेकिन कोई हल नहीं निकला ,संयुक्त सर्वक्षण करने को सहमत हुए

1984 में तुलबुल नौ परिवहन परियोजना आरम्भ की गयी थी इसका उद्देश्य यह था कि | पाकिस्तान ने यह शिकायत |को नौवहन योग्य बनाया जा सके गर्मियों के मौसम में झेलम नदी की कि भारत ने 1960 के सिन्धुजिससे इस परियोजना पर ,जल संधि का उल्लंघन किया है- इस म |रोक लगा दी गयीुद्दे पर दोनों देशों के मध्य 13 दौर की वार्ता हो चुकी हैलेकिन , देशों के मध्य जल समझौता दोनों-सिन्धु | कोई परिणाम नहीं निकला1960 में हुआ था |

विभाजन के दौरान सिन्धु और उसकी सहायक निदयों के हैंडवर्स भारत आ गये और ज्यादातर |सिंचित इलाका पाकिस्तान में चला गया अप्रैल 1948 को भारतीय पंजाब ने पिकस्तान जाने वाली नहरों को रोक दिया था लिए सिंचाई व्यवस्था की जा जिससे पंजाब के असिंचित क्षेत्रों के , |इससे पाकिस्तानी पंजाब में पानी की भयानक तंगी आ गयी थी |सके मई 1948 को इस समस्या के समाधान के लिए एक सम्मलेन बुलाया गया| यह स्थायी नहीं साबित हुआ |1951 में विश्व बैंक के अध्यक्ष यूजीन ब्लैक ने भारत और पाकिस्तान के प्रधानमंत्रियों को सुझाव दिया कि दोनों देश समाधान के लिए मध्यस्थता का प्रस्ताव स्वीकार करे |1960 में सिन्धुजल - पाकिस्तान द्वार | समझौते पर कराची में हस्ताक्षर हुआा लगातार सीमा पर विवाद रखने के लिए हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि खून और पानी साथ साथ नहीं बह सकता |

एक और समसामयिक समस्या जो भारत पिकस्तान संबंधों को बीसवी सदी के अंतिम दशक से कटुतापूर्ण बना रहा है वो है बलूचिस्तान की समस्यावैसे तो बलूचिस |्तान पािकस्तान की आन्तरिक समस्या है परन्तु पाक लगातार भारत की रक्षा एजेंसी रॉ पर इलज़ाम लगता रहा है कि भारत रॉ के द्वारा बलूचिस्तान के अलगाववादी संगठनों को सहायता देता है और वहां अवस्था फैला रहा हैइसी सन्दर्भ में पािकस्तान में रह रहे राजदूतों और भारतीय विदेश। सेवा के कर्मचािरयों से अक्सर दुर्व्यवहार की घटनाये दिखाती है पिकस्तान भारतीय नागरिकों को भी । अवैध तरीके से गिरफ्तार करता रहा है जिसमें हाल ही की घटना कुलभूषण इसी इलज़ाम में । जाधव की गिरफ्तारी का है

पाकिस्तान द्वारा भारतीय नागरिकों की गैरकानूनी रूप से की गयी गिरफ्तारी दोनों राष्ट्रों के मध्य एक प्रमुख समस्या है भारतीय कैदियों और युद्धबंदियों के साथ पाकिस्तान में दुर्व्यवहार | ,पाकिस्तान में भारत के अनेक आम नागरिक मुख्यता मच्छुआरे पकड़े गये है | किया जाता है पाकिस्तान ने उन्हें भारतीय जासूस घोषित कर कठोर दंड दिया है पाकिस्तान की जेल में बंद | ,कुलभूषण जाधव ,सरबजीत ,सुरजीत सिंह ,कश्मीर सिंह -निम्न है कुछ प्रमुख भारतीय नागरिक | आदि28 अगस्त 1990 को पाकिस्तान ने अपने इलाके में सरबजीत नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया भारत ने सरबजीत को रिहा कराने की तमाम कोश |िशें की लेकिन विफल रहा |2 मई 2013 को पाकिस्तान के लखपत जेल में कैदियों ने हमला कर सरबजीत सिंह की हत्या कर दी जबकि सरबजीत ,पाकिस्तान का मानना था की सरबजीत भारत का जासूस था |

के परिवार वालों का कहना था की वह नशे की हालत में वहां पहुंच गया था | जासूसी को लेकर अब तक का सबसे चर्चित मामला क्लभूषण जाधव का है मार्च क्लभूषण को |2016 को ईरान से पाकिस्तान में अवैध घ्सपैठ का आरोप लगाते हुए गिरफ्तार कर लिया गयाऔर फांसी , |जबिक भारत सरकार का दावा है कि इनका ईरान से अपहरण किया गया है | की सजा दी गयी पाकिस्तान की सैन्यअदालत क्लभूषण को भारतीय एजेंसी रॉ का सदस्य बताता है लेकिन भारत इस बात को स्वीकारने को तैयार नहीं है भारत के म्ताबिक क्लभ्रषण नौसेना के भारत ने इनके भारतीय होने और पूर्व नौसेना अधिकारी होने की पृष्टि की |रिटायर्ड अधिकारी है ईरान में इनका अपना व्यापार | हैहै भारत ने क्लभूषण के बचाव के लिए अंतर्राष्ट्रीय , संपर्क किया न्यायालय से10 मई 2017 को अंतर्राषट्रीय न्यायालय ने इनकी फांसी पर रोक लगा दी में स्वीकार किया है की वे "वीडियो कब्लनामे" पाकिस्तान के अनुसार जाधव ने | भारतीय नौसेना के एक अधिकारी थे और वेरॉ के इशारे पर पाकिस्तान में काम कर रहे थे | मै अभी भी भारतीय नौसेना में अधिकारी हूँ और"- जाधव ने कहा2022 में सेवानिवृत्ति हो जाऊंगा |2002 में मैंने ख़ुफ़िया कार्यो में काम शुरू किया |2003 में मै ईरान चला गया ,वहां चबाहर में एक छोटा सा व्यापर स्थापित किया था मुझे |2013 में रॉ द्वारा चुना गया ,2003 और 2004 में बिना किसी को पता चले करांची जाने और यात्रा करने में सक्षम था भारत ने | यह - केन्द्रीय मंत्री किरेन रिजीज् का दावा है की | को अस्वीकार दिया "वीडियो कब्लनामे" पाकिस्तान द्वारा बनाया गया एक पूरी तरह का नकली वीडियो है भारत को , पाकिस्तान | अंतर्राष्ट्रीय न्यायलय द्वारा कुलभूषण की | कहानियाँ रच रहा है बदनाम करने के लिए ऐसी फांसी रोके जाने पर पाकिस्तान की मीडिया ने कहा कि भारतीय मीडिया कुलभूषण जाधव की भारती | फांसी रोके जाने की खबर को गलत रिपोर्ट कर रही हैय विदेश मंत्री स्षमा स्वराज ने ट्वीट कर कहा की इन्होने आईसीजे के प्रेसिडेंट के आर्डर के बारे में कुलभूषण जाधव के माँ को जानकारी दी है | भारतपाकिस्तान | पाकिस्तान के मध्य यह समस्या निरंतर बनी हुई है-जिससे दोनों ,भारतीय कैदियों के साथ सहज नहीं हो पा रहा है देशों के मध्य तनाव बढता जा रहा है ।

भारत | पाकिस्तान के मध्य आतंकवाद की समस्या मुख्य समस्या है-1990 के दशक से ही पाकिस्तान आतंकवादियों के लिए एक सुरक्षित स्थान है आतंकवादी संगठनो द्वारा भारत पर | -जो निम्न है ,कई बड़े हमले हो च्के है

- 3 दिसंबर 2001 को सुबह 11:25 पर भारतीय संसद पर हैंड ग्रेनेड और एके -47 बन्दूकों से लैस पाँच अज्ञात चरमपंथियों ने हमला बोल दिया इस हमले में दिल्ली पुलिस के ६ | जवान मरे गए तथा30 लोग घायल ह्ये |
- 11 जुलाई 2006 को मुंबई में सिलिसिलेवार बम बिस्फोट हुआ इन बमों को अधिक | बनाने के लिए उन्हें प्रेशर कुकरों में रखा गया था और उन्हें प्रथम श्रेणी के खतरनाक | इस बम बिस्फोट की जिम्मेदारी लश्कर ए तैयबा ने लिया था | डिब्बों में लगया गया था इसमें 209 लोगों की मौत तथा ७१४ अन्य घायल हुए |
- 26 नवम्बर 2008 की शाम कोलाबा के समुद्री तट पर दस पाकिस्तानी आतंकी उतरे | दो -मुंबई में प्रवेश कर ये आतंकी दो | हथियारों से लैस ये आतंकी नदी के तट पर पहुंचे दो -दो , दो आतंकी यहूदी गेस्ट हाउस नरीमन हाउस की तरफ | की टोलियों में बंट गए आतंकी की टीम होटल ताज की तरफ और दो टीम होटल ट्राईडेंट ओबराय की तरफ बढ़े इस हमले में अकेले जिन्दा पकड़े | इन आतंकियों ने मुंबई को तहस नहस कर डाला | | अजमल आमिर कसाब को बाद में पुणे के यरवदा जेल में फांसी दी गयी, गए आतंकी इस आतंकी हमले में महाराष्ट्र एटीएसके प्रमुख हेमंत करकरे पुलिस अधिकारी विजय , भारत के | आईपीस अशोक कामटे और कांस्टेबल संतोष जाधव शहीद हो गए , सालस्कर इतिहास में26/11 हमला सबसे भयावह हमला था | जिसने सभी की रूह कंपा दिया | तैयबा से सम्बंधित थे- ए- ये आतंकी पाकिस्तान में स्थित एक इस्लामिक संगठन लश्कर इस | हमले की भारत में ही नहीं बल्कि पुरे विश्व में कड़ी निंदा की गयी भारत भर में | | इस हमले के प्रति रोष प्रकट किया गया
- 2 जनवरी 2016 को पंजाब के पठानकोट वायुसेना स्टेशन पर आतंकवादियों ने हमला किया इस मुठभेड़ में | आतंकी भारी मात्रा में बारूद असलहा से लैस थे |2 जवान शहीद हो गए और तीन घायल सिपाहियों ने अस्पताल में अंतिम सांस ली इन आतंकियों का | भारतीय गुप्तचर अधिकारियों के अनुसार |मोहम्मद संगठन से था -ए-सम्बन्ध जैशे हमलावर भारतीय सीमा के अन्दर31 दिसम्बर 2015 को बीस नदी के तटीय क्षेत्रों से होते हुए आये होंगे ज ,ो पाकिस्तान की सीमा में बहती है हमलावरों की आपसी | वार्तालाप से पता चला कि उनका मुख्य उद्देश्य हेलिकाप्टारों और लड़ाकू विमानों को , इस हमले की निंदा करते हुए गृह मंत्रालय मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा | नष्ट करना था

"पाकिस्तान हमारा पडोसी देश है हम न केवल पाक |िस्तान बल्कि सभी पडोसी देशों , तो हम ,यदि भारत पर कोई भी हमला होगा | से अच्छा रिश्ता और शांति चाहते हैं इस हमले के कारण ही | इसका मुह तोड़ जवाब देंगे15 जनवरी 2016 को पाकिस्तान से होने वाली विदेश सचिव स्तर की वार्ता टाल दी गयी और यह भी कहा कि जब तक अपराधियों पर कार्यवाही नहीं होती तब तक वार्ता नहीं होगी |

आतंकवादियों ने भारत में कई अन्य हमले किये जैसे -24 सितम्बर 2002 दिल्ली सीरियल बम धमाका ,29 अक्टूबर 2008 जयपुर ब्लास्ट ,13 मई 2008 असम हमला ,30 अक्टूबर 2008 जम्मू कश्मीर की विधानसभा पर हमला |

इन तमाम हमलों के बावजूद भारत सरकार ने पाकिस्तान से संबंध सुधारने की लगातार कोशिशें की हैप्रधानमंत्री नरेंद्र | परन्तु पाकिस्तान इन कोशिशों को कभी सफल नहीं होने दिया , मोदी द्वारा पाकिस्तान से संबंध सहज बनाने की कोशिश की ही जा रही थी कि पाकिस्तान ने एक बेहद निंदनीय कदम उठाया |18 दिसम्बर 2016 को जम्मू कश्मीर के उरी सेक्टर में LOC के पास स्थित भारतीय सेना के स्थानीय मुख्यालय पर हमला हुआ जिसमें18 जवान शहीद हो गए यह | हालाँकि सभी चारों आतंकी मारे गए |20 सालों में भारतीय सेना के ऊपर सबसे बड़ा हमला था इस हमले से आतंकवा |दियों के पाकिस्तान से संबंध होने के प्रमाण मिले भारत भर | इस हमले के पश्चात् भारत सरकार ने कूटनीतिक | में पाकिस्तान के प्रति रोष प्रकट किया गया पाकिस्तान ने | स्तर पर विश्व भर में पाकिस्तान से अलग थलग रहने की मुहीम छेड़ दी परमाणु हथियारों के प्रयोग की धमकीदी उरी हमले के जवाब में |24 सितम्बर 2016 को भारत ने आतंकवादियों के ठिकानो पर सर्जिकल हमले किये आतंकवादियों के |7 ट्रेनिंग कैम्पों पर सर्जिकल हमला किया गया जिसमे 38 आतंकवादियों के मारे जाने की पुष्टि ह्यी |

अभी हाल ही में 18 मार्च 2018 को पाकिस्तानी सैनिकों ने जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में सीमावर्ती गाँवों को निशान बनाकर मोर्टार दागे | जिसमे पाँच लोगों की मौत हो गयी |

भारत और पाकिस्तान के विभाजन को 70 वर्ष हो चुके हैअब तक दोनों देशों के रिश्तों में , विगत वर्षों में दोनों | कड़वाहट ही आई हैदेशों के सम्बन्ध बस बिगड़े ही हुए हैआने वाले वर्षों ,

जिससे दोनों देश आपस में मधुर सम्बन्ध स्थापित ,में ऐसी कोई संभावना नहीं नजर आ रही परन्तु उनके बीच कोई ,पाकिस्तान के बीच दिखावटी बदलाव तो आ सकता है-भारत | कर सके ऐसा बदलाव होते नहीं दिख रहा जिससे सम्बन्ध सामान्य हो सके भारत को पाकिस्तान के | साथ शांति स्थापित करने की70 वर्ष लम्बी नीति में अब रणनीतिक बदलाव लाना चाहिए | जब तक , वर्तमान में भारत को रणनीतिक रूप से पाकिस्तान से तब तक अलग रहना चाहिए कि पाकिस्तान भी संबंधों की सकारात्मकता को गंभीर ,ऐसी स्थिति न आ जायेता से लेना प्रारम्भ कर दे भारत को आतंकवाद के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रयास करना चाहिए न | बार मित्रता का कदम बढ़ाना चाहिए-की पाकिस्तान की तरफ बार

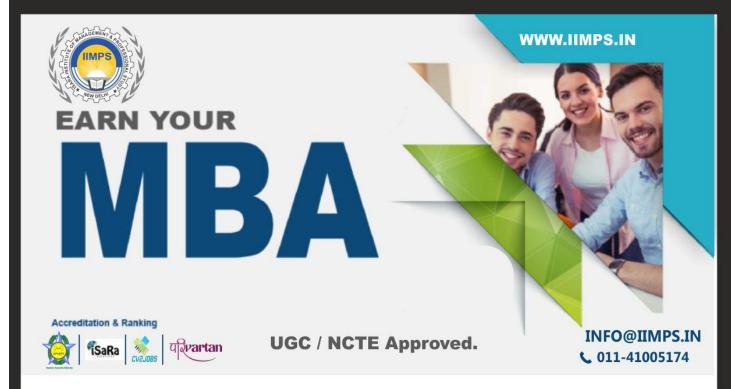
सन्दर्भ दृ

- भारतपाकिस्तान सम्बन्ध स्कूल ऑफ़ इंटरनेशनल , रिसर्च स्कॉलर
 जेएनयू ,स्टडीज
 2015, अक्टूबर 4
- अम्बा शंकर वाजपेयी हमारी क्टनीति को सफल नही होने देगा पाकिस्तान
- "Indo-Pakistan Wars". Archived from the original on 2009-11-01.
- Indo-Pakistan Wars The Tribune June 2, 2005. Archived 2009-11-01.
- Opinion: The Way it was 4: extracts from Brig (Retd) ZA Khan's book May 1998, Defence Journal
- "The Lahore Offensive". <u>Storyofpakistan.com</u>. 1 जून 2003
- Wilson, Peter. Wars, proxy-wars and terrorism: post independent India. Mittal Publications, 2003. आई॰ऍस॰बी॰ऍन॰ 8170998905, 9788170998907.
- John Fricker, "Pakistan's Air Power", *Flight International* issue published 1969, page 89. URL: http://www.flightglobal.com/pdfarchive/view/1969/1969%20-%200111.html?search=Pakistan%20Mirage%205, retrieved: 03 नवम्बर 2009
- A history of the Pakistan Army Defence Journal, Pakistan
- The Consequences of Nuclear Proliferation: Lessons from South Asia By Devin T. Hagerty Page 70 Published by MIT Press

- India's Quest for Security: defence policies, 1947–1965 By Lorne John Kavic, 1967, University of California Press, pp 190
- Iqbal F Quadir Pakistan's Defence Journal
- Pak Def SSG Regiment
- Ceasefire & After
- Bharat-Rakshak.com http://www.bharat-rakshak.com/IAF/History/Misc/Loss1965.html
- Singh, Pushpindar (1991). Fiza ya, Psyche of the Pakistan Air Force. Himalayan Books. ISBN 81-7002-038-7.
- Dijkink, Gertjan. National identity and geopolitical visions: maps of pride and pain. Routledge, 1996. आई॰ऍस॰बी॰ऍन॰ 0415139341, 9780415139342.
- William M. Carpenter, David G. Wiencek. Asian security handbook: terrorism and the new security environment. M.E. Sharpe, 2005. आई॰ऍस॰बी॰ऍन॰ 0765615533, 9780765615534.
- Kashmir in Conflict: India, Pakistan and the Unending War By Victoria Schofield Published 2003, by I.B.Tauris ISBN 1-86064-898-3 pp112
- God."..."official propaganda convinced the people of Pakistan that their military had won the war." Daily Times, June 10, 2005
- "The India-Pakistan Air War of 1965", Jagan Mohan and Samir Chopra, Manohar Publications, नई दिल्ली, 2005
- A word from Pak: 1965 was 'wrong' द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया September 6, 2005]
- The Pakistan Army From 1965 to 1971 *Analysis and reappraisal after the 1965 War* by Maj (Retd) Agha Humayun Amin
- Pakistan and India Play With Nuclear Fire By Jonathan Power The Transnational Foundation for Peace and Future Research
- Story of Pakistan
- The 1965 war with Pakistan ब्रिटैनिका विश्वकोष
- Pakistan And Its Three Wars by Vice Adm (Retd) Iqbal F Quadir Defence Journal, Pakistan
- Insurgents, Terrorists, and Militias: The Warriors of Contemporary Combat Richard H. Shultz, Andrea Dew: "The Martial Races Theory had firm adherents in Pakistan and this factor played a major role in the under-estimation of the Indian Army by Pakistani soldiers as well as civilian decision makers in 1965."

- An Analysis The Sepoy Rebellion of 1857–59 by AH Amin *The army officers of that period were convinced that they were a martial race and the Hindus of Indian Army were cowards. This myth was largely disproved in 1965*
- Profile of Pakistan U.S. Department of State, Failure of U.S.'s Pakistan Policy Interview with Steve Coll
- South Asia in World Politics By Devin T. Hagerty, 2005 Rowman & Littlefield, ISBN 0-7425-2587-2, pp 26
- Hassan Abbas (2004). Pakistan's Drift Into Extremism: Allah, the Army, and America's War on Terror. M.E. Sharpe. आई.ऍस.बी.ऍन. 0-7656-1497-9., pp52
- Greg Cashman, Leonard C. Robinson. An introduction to the causes of war: patterns of interstate conflict from World War I to Iraq. Rowman & Littlefield, 2007. आई॰ऍस॰बी॰ऍन॰ 0742555100, 9780742555105.
- Reflections on two military presidents By M.P. Bhandara December 25, 2005, Dawn
- Kashmeer : A conflict between India and Pakistan Majid , Abdul hussain , Mahboob South Asian studies , vol 31 no.1 jan-2016
- Mordern History and politics: India ,Pakistan and the kashmir Dispate: on regional conflict and its resolution Adamec , Ludwing w. The middle east journal , vol.53, no.1 winter 1999

ISARA INSTITUTE OF MANAGEMENT & PROFESSIONAL STUDIES







R O G Y A M

0

N L I

PARIVARTAN PSYCHOLOGY CENTER





भारतीय भाषा, शिक्षा, साहित्य एवं शोध

ISSN 2321 – 9726 WWW.BHARTIYASHODH.COM



INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF MANAGEMENT SCIENCE & TECHNOLOGY ISSN – 2250 – 1959 (0) 2348 – 9367 (P) WWW.IRJMST.COM



INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF COMMERCE, ARTS AND SCIENCE ISSN 2319 – 9202 WWW.CASIRJ.COM



INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF MANAGEMENT SOCIOLOGY & HUMANITIES ISSN 2277 – 9809 (0) 2348 - 9359 (P) WWW.IRJMSH.COM



INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF SCIENCE ENGINEERING AND TECHNOLOGY ISSN 2454-3195 (online)



WWW.RJSET.COM

INTEGRATED RESEARCH JOURNAL OF MANAGEMENT, SCIENCE AND INNOVATION ISSN 2582-5445



WWW.IRJMSI.COM

JOURNAL OF LEGAL STUDIES, POLITICS
AND ECONOMICS RESEARCH
WWW.,JLPER.COM

